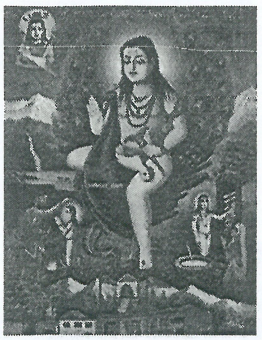

आरती श्री बाबा बालक नाथ जी की

ॐ जय कलाधारी हरे, स्वामी जय पौनाहारी हरे,
भक्त जनों की नैया , दास जनों की नैया.....भव से पार करे,
ॐ जय कलाधारी हरे |

बालक उमर सुहानी, नाम बालक नाथा ,
अमर हुए शंकर से, सुन के अमर कथा |ॐ जय .....

शीश पे बाल सुनैहरी, गले रुद्राक्षी माला,
हाथ में झोली चिमटा, आसन मृगशाला | ॐ जय .....

सुंदर सेली सिंगी, वैरागन सोहे,
गऊ , पालक रखवाला भगतन मन मोहे |ॐ जय .....

अंग भभूत रमाई, मूर्ति प्रभु रंगी,
भय भंजन दुःख नाशक, भरथरी के संगी |ॐ जय .....

रोट चरत रविवार को, फल, फूल मिश्री मेवा,
धुप दीप कुदनुं से आनंद सिद्ध देवा |ॐ जय .....

भक्तन हित अवतार लियो, प्रभु देख के कल्लू काला,
दुष्ट दमन शत्रुहन , दीनन प्रतिपाला |ॐ जय .....

श्री बालक नाथ जी की आरती, जो कोई नित गावे,
कहते है सेवक तेरे, मन वाच्छित फल पावे |ॐ जय .....

ॐ जय कलाधारी हरे, स्वामी जय पवनाहरी हरे,
भक्त जनों की नैया , दास जनों की नैया
भव से पार करे,.....ॐ जय कलाधारी हरे |